पथ-प्रेरक

वर्ष 29 अंक 07 कुल पृष्ठ: 8
एक प्रति: रुपए 7.00 वार्षिक : रुपए 150/-

प्रकाशन तिथि : 15 जून, 2025
प्रेषण तिथि : 19 जून, 2025

'डाक पंजियन सं. जयपुर सिटी/
247/2024-2026
स.प.सं. 66332/97

प्रेरणास्रोत की दैहिक यात्रा का अवसान, दिव्य प्रेरणा का प्रारंभ

(संघ के संरक्षक एवं चतुर्थ संघप्रमुख पू. भगवान सिंह जी रोलसाहबसर का देहावसान)

श्री क्षत्रिय युवक संघ के संरक्षक एवं चतुर्थ संघप्रमुख रहे पूज्य भगवान सिंह जी रोलसाहबसर का देहावसान 5 जून को रात्रि लगभग 10:15 बजे हो गया। आप श्री का जन्म 2 फरवरी 1944 को सीकर जिले की फतेहपुर तहसील के रोलसाहबसर गांव में श्री मेघसिंहजी एवं श्रीमती गोम कंवर की पांचवीं संतान के रूप में हुआ। आपके जन्म के कुछ दिनों पूर्व ही पिताजी का देहावसान हो गया था। श्रद्धेय भगवान सिंह जी ने गांव से ही प्रारंभिक शिक्षा पूर्ण कर 1960 में चमड़िया कॉलेज फतेहपुर से मैट्रिक व रुईया कॉलेज रामगढ शेखावाटी से प्री युनिवर्सिटी कर 1961 में लोहिया कॉलेज चुरु में प्रवेश लिया। 1961 में ही रतनगढ़ में आयोजित सात दिवसीय प्रशिक्षण शिविर आप श्री का प्रथम शिविर था। उसी समय पूज्य तनसिंह जी से संपर्क हुआ एवं उनके आदेश पर चुरु छोड़कर आगे के अध्ययन के लिए जयपुर पधारे। 1963 में रतनगढ़ में ही आयोजित सात दिवसीय प्रशिक्षण शिविर के बाद आप संघ के एक समर्पित स्वयंसेवक के रुप में कर्मशील हुए। जयपुर में अध्ययनरत रहते हुए उन्होंने जयपुर के राजपूत छात्रावास की शाखा का दायित्व संभाला और यहीं रहते हुए राजस्थान कॉलेज से स्नातक किया।

अंतिम विदाई

1964-65 में पूज्य तनसिंह जी के सांसद रहते समय उनके सान्निध्य में दिल्ली रहने लगे। 1967 में पूज्य तनसिंह जी ने सिवाना (बाड़मेर) में व्यवसाय प्रारंभ किया तो उनके प्रथम सहयोगी के रूप में साथ रहने लगे। उसी दौरान सिवाना के ठाकुर तेजसिंह जी की सुपुत्री से आप श्री का विवाह हुआ। पूज्य तनसिंह जी एवं पूज्य नारायणसिंह जी का निकट सान्निध्य, सामीप्य एवं मार्गदर्शन उन्हें मिलता रहा। दिसंबर 1979 में पूज्य तनसिंह जी के देहावसान के उपरांत पूज्य नारायणसिंह जी में तनसिंह जी के ही स्वरुप का दर्शन पाकर निरंतर सान्निध्य पाते रहे। पूज्य नारायण सिंह जी के जीवन में यौगिक अनुभव प्रकट होने लगे और ज्यों ज्यों वे भौतिक रुप से संघ कार्य से अलग रहने लगे त्यों त्यों आप पर दायित्व आता रहा। अक्टूबर 1989 में पूज्य नारायणसिंह जी के देहावसान के बाद संघप्रमुख का गहन दायित्व आप पर आया और उसके बाद जीवन पर्यंत श्री क्षत्रिय युवक संघ ही उनके संपूर्ण जीवन का केंद्र बना रहा। अपने अथक परिश्रम, साधनागत तपस्या, दूरदर्शी चिंतन और प्रभावी व्यक्तित्व के द्वारा उन्होंने न केवल संख्यात्मक दृष्टिकोण से संघकार्य का अभूतपूर्व विस्तार किया, बल्कि मातृशक्ति प्रशिक्षण, आनुषंगिक संगठनों, विभिन्न प्रकोष्ठों आदि के माध्यम से संघ का सामाजिक कार्य के अनेक नए आयामों में प्रवेश भी करवाया। दंपति शिविर के माध्यम से संघ का परिवारों में प्रवेश भी आप श्री की प्रेरणा से हुआ। संघ के स्वर्ण जयंती के दिन 22 दिसंबर 1996 को संघ के वृहद स्वरुप का संसार को दर्शन करवाया। जयपुर, जोधपुर, बाड़मेर, बीकानेर, जैसलमेर, कुचामन एवं गुजरात के सुरेन्द्रनगर में संघ के स्थायी कार्यालय बने।

(शेष पृष्ठ 7 पर)

मुखाग्नि

माननीय प्रधानमंत्री ने जताया शोक

पूज्य संरक्षक श्री भगवान सिंह जी रोलसाहबसर के देहावसान पर माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने संघप्रमुख श्री को अपना शोक संदेश प्रेषित किया है। अपनी संवेदनाएं प्रेषित करते हुए उन्होंने लिखा कि सार्वजनिक जीवन में पूज्य संरक्षक श्री द्वारा किए गए कार्य सदैव याद किए जाएंगे एवं उनके जीवन मूल्य व विचार युवाओं का मार्गदर्शन करते रहेंगे।

अपने आप में एक संस्थान थे भगवान सिंह जी: उपराष्ट्रपति

(संरक्षक श्री की स्मृति में देशभर में हुआ श्रद्धांजलि सभाओं का आयोजन)

श्री जगदीप धनखड़

श्री ओमप्रकाश माथुर

श्री सचिन पायलट

श्री टीकाराम जुली

श्री वासुदेव देवनानी

श्री राव राजेन्द्र सिंह

श्रीमती मंजू शर्मा

श्री जोराराम कुमावत

श्री जोगाराम पटेल

श्री जोगेश्वर गर्ग

भगवान सिंह जी रोलसाहबसर का विराट व्यक्तित्व था। उनकी कही प्रत्येक बात में वजन होता था क्योंकि उनके जीवन में तपस्या थी। उनकी निर्णय क्षमता अनूठी थी और आवश्यकता होने पर कठोर संदेश देना भी उन्हें आता था। उन्होंने अपने साथ चलने वालों को अपने संयमित और मर्यादित आचरण से अनुशासन का पाठ पढ़ाया। भगवान सिंह जी स्वयं अपने आप में एक संस्थान थे जो आने वाली पीढ़ियों को भी जीवन का पाठ पढ़ाते रहेंगे। उपर्युक्त बात भारत के उपराष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़ ने 8 जून को जयपुर स्थित संघ के केंद्रीय कार्यालय संघशक्ति में पूज्य भगवान सिंह जी रोलसाहबसर की पुण्य स्मृति में आयोजित श्रद्धांजलि सभा में उन्हें श्रद्धांजलि देते हुए कही। उन्होंने माननीय संघप्रमुख श्री लक्ष्मण सिंह बैण्याकाबास के माध्यम से भगवान सिंह जी से जुड़े सभी लोगों तक अपनी संवेदना प्रेषित की और उनकी विरासत को आगे बढ़ाने की आवश्यकता जताई। पूज्य भगवान सिंह जी के प्रति कृतज्ञता व श्रद्धा प्रकट करने के उद्देश्य से 7 से 15 जून तक देशभर में विभिन्न स्थानों पर श्रद्धांजलि सभाओं का आयोजन स्वयंसेवकों एवं सर्व समाज के बंधुओं द्वारा किया गया जिनमें संघ के स्वयंसेवकों द्वारा श्रद्धेय भगवान सिंह जी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व की जानकारी दी गई एवं सभा में उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों द्वारा उन्हें नमन करते हुए उनके बताए आदर्शों पर चलने की बात कही गई। 12 जून तक आयोजित श्रद्धांजलि सभाओं के समाचार यहां प्रकाशित किया जा रहे हैं। संघशक्ति कार्यालय में 7 से 12 जून तक सिक्किम के राज्यपाल ओम माथुर, राजस्थान विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली, चित्तौड़गढ़ सांसद सीपी जोशी, पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट, पूर्व सांसद गोपाल सिंह ईडवा, पूर्व मंत्री शकुंतला रावत, कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव भंवर जितेंद्र सिंह अलवर, पूर्व विधायक रणवीर सिंह गुढ़ा, ज्योति मिर्धा (प्रदेश उपाध्यक्ष भाजपा राजस्थान एवं पूर्व सांसद नागौर), रिछपाल मिर्धा (पूर्व विधायक डेगाना), बालमुकुंद आचार्य (विधायक हवामहल जयपुर), अविनाश गहलोत (मंत्री राजस्थान सरकार), अभिनेष महर्षि (पूर्व विधायक रतनगढ़), भागीरथ चौधरी (केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री कृषि), देवी सिंह बानसूर (विधायक बानसूर), स्वामी सुमेधानन्द सरस्वती (पूर्व सांसद, सीकर), देवेन्द्र झाझडिया (सांसद प्रत्याशी चुरु), जोगा राम पटेल (मंत्री, राजस्थान), हरलाल सहारण (विधायक, चूरू), बिहारीलाल बिश्नोई (पूर्व विधायक, नोखा), डॉ वासुदेवजी चावला (प्रदेश मंत्री भाजपा), महंत प्रताप पुरी (विधायक, पोकरण), हमीर सिंह भायल (विधायक, सिवाना), गोवर्धन वर्मा (विधायक, धोद, सीकर), अनिल शर्मा (विधायक, सरदारशहर), जोराराम कुमावत (मंत्री, राजस्थान सरकार), जब्बर सिंह सांखला (विधायक, आसिंद, भीलवाड़ा), राजा मानवेन्द्र सिंह (पूर्व सांसद मथुरा), जोगेश्वर गर्ग (संसदीय सचिव, राजस्थान विधानसभा), जाकिर हुसैन गेसावत (विधायक, मकराना), गोविन्द सिंह डोटासरा (प्रदेश अध्यक्ष कांग्रेस राजस्थान),मंजू शर्मा (सांसद, जयपुर शहर), गोपाराम मेघवाल (पूर्व विधायक सिवाना), ममता भूपेश (पूर्व मंत्री, राजस्थान सरकार), कल्पना सिंह राजपुरोहित (विधायक, आहोर), चुन्नी लाल गरासिया (राज्य सभा सांसद), खुशबीर सिंह जोजावर (पूर्व विधायक), अनीता भदेल (विधायक, अजमेर), जेठानंद व्यास (विधायक, बीकानेर पश्चिम), सुरेन्द्र सिंह राठौड़ (विधायक कुंभलगढ़), मेवाराम जैन (पूर्व विधायक, बाड़मेर), रोहिणी कुमारी (पूर्व विधायक, करौली), डॉ. राजकुमार शर्मा (पूर्व मंत्री, राजस्थान सरकार), रतन देवासी (विधायक, रानीवाड़ा), डॉ. समरजीत सिंह (विधायक भीनमाल), प्रेम सिंह बाजोर (पूर्व विधायक), वीरेंद्र सिंह कानावत (विधायक, मसूदा), राव राजेन्द्र सिंह शाहपुरा (सांसद, जयपुर ग्रामीण), रामलाल शर्मा (पूर्व विधायक), राजेन्द्र गुढ़ा (पूर्व मंत्री), गीता बरबड़ (विधायक, भोपालगढ़), मनीषा पंवार (पूर्व विधायक, जोधपुर), पूसा राम गोदारा (विधायक, रतनगढ), राम सहाय वर्मा (विधायक, निवाई-पीपलू), चुन्नीलाल चाड़वास (पूर्व जिलाध्यक्ष कांग्रेस पाली), मुकेश दाधीच (प्रदेश महामंत्री भाजपा राजस्थान), करणी सिंह लाडनूं (विधायक प्रत्याशी, लाडनूं), प्रदीप शेखावत (राज्य सूचना आयुक्त, हरियाणा सरकार), राजेन्द्र सिंह आंतरी (IRS), चन्द्रा राम गुरी (अध्यक्ष कुमावत समाज राजस्थान), पुलिस अधीक्षक अमित कुमार, हेम सिंह शेखावत त्रिलोकपूरा (प्रदेश अध्यक्ष, सेवा दल), नींबाराम (क्षेत्रीय प्रचारक, आरएसएस राजस्थान), प्रकाश सिंह (सह आयुक्त परिवहन, जयपुर), रतन सिंह महेचा लूणू (पुलिस अधीक्षक, इंटेलिजेंस), नरपत सिंह शेखावत (केंद्रीय मंत्री विश्व हिंदू परिषद), रघुवीर सिंह तंवर प्रदेश उपाध्यक्ष, भाजपा सहित अनेकों गणमान्य व्यक्तियों ने उपस्थित होकर पूज्य भगवान सिंह जी को श्रद्धांजलि दी। **(शेष पृष्ठ 5 पर)**

श्री भागीरथ चौधरी

श्री गोविन्द सिंह डोटासरा

श्री भंवर जितेन्द्र सिंह

श्री नींबाराम

श्री गौतम दक

श्री अविनाश गहलोत

श्री कमलेश महाराज

प्रताप जैसे व्यक्तित्वों का निर्माण है आज की आवश्यकता: संघप्रमुख श्री

(उत्साह से मनाई स्वतंत्रता और स्वाभिमान के प्रतीक महाराणा प्रताप की जयंती)

महापुरुषों की जयंती मनाने का उद्देश्य यही होता है कि हम उनसे प्रेरणा लेकर उनका अनुकरण कर सकें। यदि समाज में यह प्रेरणा नष्ट हो जाए तो शेष कुछ भी नहीं बचता। इसलिए महाराणा प्रताप की जयंती मनाने से भी अधिक महत्वपूर्ण उनके बताए मार्ग पर चलना है। जब महाराणा प्रताप को पता चला कि उनके भाई जगमाल को मेवाड़ की गद्दी पर बिठाने की तैयारी चल रही है तो वे पारिवारिक कलह को रोकने के लिए मेवाड़ से बाहर जाने के लिए उद्यत हो गए। क्या आज हम ऐसा त्याग करने का साहस कर पाते हैं? यदि नहीं कर पाते हैं तो केवल जयंतियां, भाषण और जय-जयकार किसी काम के नहीं है। आज वास्तविक आवश्यकता प्रताप से प्रेरणा लेकर प्रताप जैसे व्यक्तित्व बनाने की है। श्री क्षत्रिय युवक संघ यही काम कर रहा है। उपर्युक्त बात माननीय संघप्रमुख श्री लक्ष्मण सिंह बैण्याकाबास ने 29 मई को उदयपुर में मेवाड़ क्षत्रिय महासभा संस्थान एवं नगर निगम उदयपुर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित महाराणा प्रताप जयंती समारोह को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि महाराणा प्रताप की जयंती कब मनाई जानी चाहिए इसको लेकर भी अक्सर विवाद होता रहता है। लेकिन यह विवाद व्यर्थ है क्योंकि महाराणा प्रताप जैसे प्रातः स्मरणीय महापुरुषों की जयंती मनानी महत्वपूर्ण है, कब मनाई जाए इससे कोई भी अंतर नहीं पड़ता है। लेकिन जयंती मनाने के साथ हमें यह चिंतन भी करना चाहिए कि हम प्रताप की जयंती क्यों मना रहे हैं। आज पूरा समाज पतन की ओर बढ़ रहा है। ईर्ष्या, द्वेष, स्वार्थ और अहंकार के वशीभूत होकर हम एक ऐसे कुएं में जा रहे हैं जिससे बाहर निकलने का कोई उपाय नहीं है। इस पतन को रोकने के लिए प्रताप की तरह त्याग और संघर्ष करने वाले व्यक्तियों की आवश्यकता है और संघ ऐसे ही व्यक्तित्वों के निर्माण का कार्य कर रहा है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केंद्रीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि मेवाड़ का इतिहास अनुपम है। यह वही भूमि है जिसने मोहम्मद बिन कासिम से लेकर अंग्रेजों तक भारतीय परंपरा और संस्कृति की रक्षा के लिए अपराजेय संघर्ष किया है। ऐसे गौरवशाली इतिहास का विकृतिकरण करने वाले तत्वों के विरुद्ध सार्वजनिक आंदोलन छेड़ा जाना

चाहिए। जो क्षत्रिय परंपरा दूसरों पर विपत्ति आने से पहले स्वयं को स्वाहा कर देती है, उसके अपमान के विरुद्ध संपूर्ण समाज को संगठित होना चाहिए। इस अवसर पर गजपाल सिंह राठौड़ (भाजपा शहर जिलाध्यक्ष), ताराचंद जैन (विधायक, उदयपुर शहर), बालू सिंह कानावत (अध्यक्ष, मेवाड़ क्षत्रिय महासभा), चन्द्रवीर सिंह करेलिया (शहर अध्यक्ष, मेवाड़ क्षत्रिय महासभा) सहित अनेकों गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। श्री क्षत्रिय युवक संघ के संभाग प्रमुख बृजराज सिंह खारडा व प्रांत प्रमुख फतेह सिंह भटवाड़ा सहयोगियों सहित उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान गीत, भजन और महाराणा प्रताप के जीवन पर आधारित सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी दी गईं। 29 मई को महाराणा प्रताप की जयंती के उपलक्ष्य में देशभर में विभिन्न स्थानों पर कार्यक्रम आयोजित हुए जिनमें प्रताप के शौर्य, त्याग और चरित्र को स्मरण करते हुए उन्हें नमन किया गया। महाराणा प्रताप जयंती की पूर्व संध्या पर जयपुर के बिरला ऑडिटोरियम में 'शौर्य गाथा के रंग' समारोह का आयोजन किया गया। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि महाराणा प्रताप की वीरता, स्वाभिमान और मातृभूमि के प्रति अटूट समर्पण की गौरवमयी गाथा युगों-युगों तक राष्ट्र को गौरवान्वित करती रहेगी। आने वाली पीढ़ियों को उनसे मातृभूमि की सेवा और रक्षा की प्रेरणा मिलती रहेगी। कार्यक्रम में सांसद मंजू शर्मा, हवामहल विधायक बालमुकुंद आचार्य, जमवारामगढ़ विधायक महेंद्र पाल मीणा, भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष मुकेश दाधीच, राजपुत सभा के अध्यक्ष राम सिंह चंदलाई, भवानी निकेतन शिक्षा समिति के सचिव सुदर्शन सिंह सुरपुरा के साथ सर्व समाज के अनेकों गणमान्य व्यक्तियों एवं मातृ शक्ति की उपस्थिति रही। श्री प्रताप फाउंडेशन के संयोजक माननीय महावीर सिंह जी सरवड़ी सहयोगियों सहित कार्यक्रम में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में राष्ट्रीय कवि सिद्धार्थ देवल ने वीर रस की कविताओ से महाराणा प्रताप की शौर्य गाथा का वर्णन किया। प्रेम सिंह बनवासा ने व्यवस्था का दायित्व संभाला। पाली जिले के नाडोल में स्थित आशापुरा माताजी मंदिर प्रांगण में भी समारोह पूर्वक प्रताप जयंती मनाई गई। जयंती के उपलक्ष्य में आशापुरा माताजी मंदिर प्रांगण से वाहन रैली निकाली गई जिसे पूरण सिंह राठौड़ ने झंडी दिखा कर रवाना किया। यह रैली नाडोल के विभिन्न मार्गों से होते हुए पुनः मंदिर पहुंची जहां मुख्य समारोह का आयोजन हुआ। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भाजपा महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष मनोहर कंवर ने कहा कि महाराणा प्रताप के जीवन से सत्य और न्याय के लिए संघर्ष की प्रेरणा मिलती है। खेत सिंह मेड़तिया ने कहा कि राजस्थान की धरती वीर महापुरुषों की धरती रही है। यहां के शूरवीरों पर सभी को गर्व है। भाजपा नाडोल मंडल अध्यक्ष सतीश सोनी, विप्र फाउंडेशन के सदस्य भेरू सिंह राजपुरोहित, जयंती समारोह के संयोजक महावीर सिंह कुंपावत, ग्राम सेवा सहकारी समिति के निदेशक जब्बर सिंह सोलंकी, नगर पालिका रानीखुर्द के पार्षद पदम सिंह राठौड़, चंपालाल गहलोत, भूराराम चौधरी, मांगू सिंह राठौड़, राजेंद्र कुमार वैष्णव, पूर्व सरपंच विश्वपाल सिंह मेड़तिया, गोविन्द सिंह राठौड़ छोटी रानी आदि ने भी अपने विचार रखे। गुजरात के साणंद शहर में प्रताप जयंती के अवसर पर विशाल शोभायात्रा निकाली गई जिसमें बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी शामिल हुए। कार्यक्रम में साणंद रियासत के ध्रुवसिंह जयशिवसिंह वाघेला, राज्यसभा सांसद केशरीदेव सिंह झाला सहित अनेकों गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। शोभायात्रा वाघेला बोर्डिंग से रवाना होकर महाराणा प्रताप स्मारक पहुंची जहां सभी ने प्रताप को पुष्पांजलि अर्पित की एवं भव्य महा आरती का आयोजन हुआ। डॉ. बाबा साहब आंबेडकर समिति साणंद द्वारा भी महाराणा को पुष्पांजलि अर्पित की गई। श्री राजपूत करणी सेना साणंद, श्री राजपूत विकास ट्रस्ट साणंद, श्री महाराणा प्रताप स्मारक समिति साणंद ने संयुक्त रूप से कार्यक्रम का आयोजन किया। श्री क्षत्रिय युवक संघ के मध्य गुजरात संभाग के अहमदाबाद ग्राम्य प्रांत में स्वयंसेवकों द्वारा श्री हरपाल देव शाखा सिहोर और काणेटी में प्रताप जयंती मनाई गई। मध्यप्रदेश के शहडोल में स्थित मानस भवन में अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा व विराट क्षत्रिय महासभा के संयुक्त तत्वावधान में प्रताप जयंती मनाई गई। प्रवीण सिंह नाथावत (जोधपुर) ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि महाराणा प्रताप सनातन धर्म के रक्षक थे जिन्होंने अपने अदम्य साहस और शौर्य से इतिहास में अपना नाम अमर कर दिया। महिला प्रकोष्ठ की राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतू सिंह ने मातृशक्ति से अपनी शक्ति को पहचानने का आह्वान किया। अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा के राष्ट्रीय सचिव पृथ्वीराज सिंह चौहान ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया। उत्तरप्रदेश के गाजियाबाद जिले के साहिबाबाद में वसुंधरा स्थित महाराणा प्रताप चौक पर अखंड राजपूताना सेवा संस्थान द्वारा जयंती कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें समाजबंधुओ ने शामिल होकर प्रताप की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष केपी सिंह ने कहा कि देश और समाज के हित में जीवन जी कर ही प्रताप को सच्ची श्रद्धांजलि दी जा सकती है।

छावनी में नहीं, सीमा पर होती है सैनिक की परीक्षा: संघप्रमुख श्री

(उदयपुर के भूपाल नोबल्स संस्थान में उच्च प्रशिक्षण शिविर में प्रदत्त विदाई संदेश का संपादित अंश)

इस उच्च प्रशिक्षण शिविर में जिस तपस्या का आपने अभ्यास किया है, उसे यहां से जाने के बाद भी जारी रखने की आवश्यकता है, तभी आपके भीतर संघ एक वटवृक्ष के रूप में विकसित होगा। एक सैनिक जो कुछ प्रशिक्षण प्राप्त करता है उसकी वास्तविक परीक्षा छावनी में नहीं बल्कि युद्ध के समय सीमा पर ही होती है। उसी प्रकार आपने यहां जिस शक्ति को जुटाया है, उस शक्ति से अब आपको समाज में कार्य करना है। यही आपकी वास्तविक परीक्षा होगी, जिसमें आपको खरा उतरना है। हमारे शरीर, मन और बुद्धि का स्वभाव पतन की ओर जाने का है यदि इन्हें बार-बार सचेतन और आगाह न किया जाए। इसलिए यहां जुटाई गई शक्ति को यदि आपने अपने तक ही रोक कर रख लिया तो वह एक बुराई बन जाएगी। इस शक्ति का सदुपयोग करते हुए हमें परिवार और समाज में कार्य करना है। उपर्युक्त बात श्री क्षत्रिय सेवा संस्थान के सौजन्य से उदयपुर स्थित भूपाल नोबल्स संस्थान में आयोजित श्री क्षत्रिय युवक संघ के उच्च प्रशिक्षण शिविर में 29 मई को शिविरार्थियों को विदाई देते हुए माननीय संघप्रमुख श्री लक्ष्मण सिंह बैण्याकाबास ने कही। उन्होंने कहा कि संघ की साधना सामूहिक होते हुए भी एकल है। यहां से जाने के बाद आपको स्वयं को यह साधना जारी रखनी पड़ेगी। श्री क्षत्रिय युवक संघ ने इस शिविर में आपके भीतर जिस बीज का आरोपण किया है उसे अंकुरित करने के लिए त्याग और तपस्या की आवश्यकता होगी। यदि बीज केवल अपने स्वरूप को बनाए रखने की चाह करे तो वह अंकुरित नहीं हो सकता। उसके लिए उसे अपने आप को मिटाना पड़ता है, अपने वर्तमान स्वरूप का त्याग करना पड़ता है तभी वह अंकुरित होकर वृक्ष बनने की राह पर अग्रसर होता है। आपको भी अपने अस्तित्व को संघ में विलीन करना होगा। यदि आपने ऐसा कर लिया तो आपके मार्ग की सब बाधाएं मिट जाएंगी। जो जितना त्याग करता है, उतना ही अधिक वह पाता है। त्याग से ही संघ चलेगा। जिस दिन हम त्याग से घबराने लग जाएंगे, उसी दिन से संघ भी क्षीण होना प्रारंभ हो जाएगा। जितना हम देंगे उतना ही संघ बढ़ेगा। शिविर का अंतिम उपदेश यही है कि जो कुछ पवित्र हमने यहां प्राप्त किया है वह टिका रहे, उसे बढ़ाने का प्रयास करें और समाज में उसे प्रसारित करें। संघ के संस्थापक पूज्य तनसिंह जी की छाया बनकर हम समाज में कार्य करें। 18 से 29 मई तक आयोजित हुए इस शिविर में राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश आदि प्रदेशों से 450 शिविरार्थियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।

संघ शिक्षण में छिपे हैं जीवन के मूलमंत्र - हरदासकाबास

श्री क्षत्रिय युवक संघ के इस सात दिवसीय मातृशक्ति प्रशिक्षण शिविर में विभिन्न गतिविधियों जैसे खेल, अर्थबोध, बौद्धिक, यज्ञ, प्रार्थना आदि के माध्यम से आपको जो शिक्षण दिया गया है उसमें जीवन के सभी मूलमंत्र छिपे हुए हैं। इन्हें समझकर इनका निरंतर पालन करने से ही आपका जीवन श्रेष्ठ बनेगा। संघदर्शन को अपने आचरण में ढालकर आपको अपने जीवन को आदर्शमय और अनुकरणीय बनाना है जिससे दूसरे भी आपसे प्रेरणा प्राप्त करें। यह बात उदयपुर के भूपाल नोबल्स संस्थान परिसर में श्री क्षत्रिय सेवा संस्थान जोधपुर के सौजन्य से आयोजित हुए श्री क्षत्रिय युवक संघ के सात दिवसीय मातृशक्ति प्रशिक्षण शिविर के समापन के अवसर पर शिविर संचालिका जागृति बा हरदासकाबास ने मातृशक्ति को विदाई देते हुए कही। उन्होंने कहा कि यहां आपने अपनी संस्कृति और इतिहास को जाना, वीरांगनाओं की महान परंपराओं के बारे में जाना, पूर्वजों के त्याग और बलिदान के बारे में जाना। उन्हें जानकर आपने जो प्रेरणा प्राप्त की उसे आगे भी बनाए रखना है। शिविर का वातावरण आपकी साधना के लिए अनुकूल था लेकिन बाहर का वातावरण प्रतिकूल और विषमय है। उसका प्रभाव हम पर पड़े बिना नहीं रहेगा इसलिए आपको सावधान रहते हुए स्वयं को उस विषैले वातावरण से बचाना है और साथ ही यहां से प्राप्त श्रेष्ठ शिक्षा और संस्कारों को समाज में आगे प्रसारित करना है। यहां पाए गए संस्कारों को धूमिल होने से आपको बचाना है और इसके लिए निरंतर शाखा और शिविरों में आते रहना है। 23 से 29 मई तक आयोजित हुए इस शिविर में राजस्थान और गुजरात के विभिन्न जिलों से 240 मातृशक्ति ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।

संपादकीय

'जो उन्होंने किया, हम भी वह करें'

श्री क्षत्रिय युवक संघ की साधना सामूहिक साधना है। मध्यकाल से ही हमारे समाज में जड़ें जमा चुके व्यक्तिवाद और अहंभाव के अवगुण को सामूहिक जीवन के अभ्यास से ही दूर किया जा सकता है, इसीलिए संघ ने सामूहिक संस्कारमयी कार्यप्रणाली को सामाजिक एकता के प्रशिक्षण और अभ्यास का माध्यम बनाया। इस प्रकार की सामूहिक साधना का सबसे बड़ा शत्रु व्यक्तिवाद ही है। इसीलिए संघदर्शन में पूज्य तनसिंह जी द्वारा व्यक्तिवाद को लेकर बार-बार आगाह किया गया है, उसके विभिन्न रूपों को लेकर सतर्क किया गया है, व्यक्ति की तुलना में सिद्धांत और गुणों की महत्ता प्रतिपादित करने की बात कही गई है। लेकिन व्यक्तिवाद के इस विरोध का अर्थ व्यक्ति की अवहेलना करना नहीं है, यह भी पूज्य तनसिंह जी ने अपने दर्शन में बार-बार स्पष्ट किया है। अपनी पुस्तक 'गीता और समाज सेवा' में वे लिखते हैं - 'गुण अमूर्त हैं, वे अव्यक्त हैं - व्यक्ति के माध्यम से ही वे व्यक्त होते हैं। गुणों की पूजा करनी है तो हमें उनकी व्यक्तियों के जीवन में ही अभिव्यक्ति देखनी है।' इसी प्रकार पूज्य तनसिंह जी 'एक भिखारी की आत्म कथा' पुस्तक में लिखते हैं कि - 'व्यक्ति और सिद्धांत की तुलना नहीं हो सकती क्योंकि वे एक दूसरे के पूरक हैं। सिद्धांतों और गुणों की कोई कमी नहीं है, किंतु व्यक्ति उनके अवतार की भूमि है। वे उसी में परिष्कृत और समुन्नत होकर निखरा करते हैं।' अतः संघ की साधना में व्यक्तिवाद का सर्वथा विरोध होते हुए भी व्यक्ति की महानता को सीमित या उपेक्षित करने की कहीं बात नहीं है। वस्तुतः गहराई से देखें तो ये दोनों एक ही सत्य के दो पक्ष हैं। यह सत्य है कि व्यक्तिवाद किसी भी सैद्धांतिक दर्शन को भ्रष्ट और नष्ट कर सकता है लेकिन यह भी उतना ही सत्य है कि कोई भी सैद्धांतिक दर्शन व्यक्ति के आचरण में ढले बिना कल्पना की वस्तु ही बना रहता है। व्यक्ति जब स्वयं को महत्व न देकर सिद्धांतों और गुणों को ही महत्व देता है और उन्हें सहज रूप से अपने आचरण में ढाल लेता है तब वे ही सिद्धांत और गुण व्यक्ति की महानता को प्रकट करने के साधन बन जाते हैं। जो महानतम सिद्धांतों को सहज रूप में अपने में समा लेता है उसका व्यक्तित्व निश्चित रूप से उन सिद्धांतों से भी अधिक विशाल और गहरा होता है। ऐसा ही गहरा और विशाल व्यक्तित्व रहा श्री क्षत्रिय युवक संघ के संरक्षक एवं चतुर्थ संघप्रमुख पूज्य भगवान सिंह जी रोलसाहबसर का, जिनका देहावसान 5 जून को हो गया।

पूज्य तनसिंह जी और नारायण सिंह जी रेड़ा के श्रेष्ठतम अनुचर बनकर श्रद्धेय भगवान सिंह जी ने अपने व्यक्ति स्वरूप को पूर्ण रूप से संघ में निमज्जित कर दिया और उसी ध्येयनिष्ठा, साधना और तपस्या के परिणाम स्वरूप उनका जीवन असंख्य लोगों के लिए प्रेरणास्रोत बन गया। संघ की वर्तमान पीढ़ी में अधिकांश स्वयंसेवक ऐसे हैं जिन्होंने पूज्य तनसिंह जी और नारायण सिंह जी का भौतिक सान्निध्य नहीं पाया, उनके व्यक्तिगत जीवन को अपनी दृष्टि से नहीं देखा बल्कि उनके साहित्य और उनके साथ रहे कुछ साथियों के संस्मरणों के माध्यम से ही उन्हें जाना है। महापुरुषों की भौतिक उपस्थिति के अभाव में उनका जीवन दर्शन सामान्य व्यक्तियों के लिए सैद्धांतिक ही बना रहता है यदि वह दर्शन किसी के आचरण में जीवन्त होता हुआ दिखाई न दे। वे सिद्धांत और आदर्श बड़े अभागे सिद्ध होते हैं जिन्हें आचरण में ढालने वाला व्यक्तित्व नहीं प्राप्त हो पाता। पूज्य श्री तनसिंह जी ने इसीलिए अपने दर्शन को केवल पुस्तकों अथवा उपदेशों के माध्यम से अभिव्यक्त करना ही पर्याप्त नहीं समझा बल्कि व्यावहारिक शिक्षण के माध्यम से उसे एक व्यक्तित्व से अनेक व्यक्तित्वों में ढालने की साधनागत श्रृंखला प्रारंभ की। इस श्रृंखला का सातत्य बना रहे इसके लिए यह आवश्यक है कि उस दर्शन को अवतरित होने के लिए व्यक्तित्व निरंतर प्राप्त होते रहें। संघ की वर्तमान पीढ़ी के हम सभी स्वयंसेवकों का यह सौभाग्य रहा कि पूज्य भगवान सिंह जी और उनके कुछ अन्य साथियों के व्यक्तित्व में हम पूज्य तनसिंह जी के दर्शन को साकार होता हुआ देख सके और पूज्य तनसिंह जी की कृपा और नारायण सिंह जी, भगवान सिंह जी जैसे ध्येयनिष्ठ साधकों की तपस्या के प्रभाव से यह श्रृंखला आगे भी निरंतर जारी है।

सामान्यतः बहुत ही कम व्यक्तियों में ऐसी क्षमता होती है कि केवल सिद्धांत अथवा विचारधारा को जानकर ही उसकी गहराई, महत्ता आदि को अनुभव कर सके और उसे स्वीकार करके अपने जीवन का अंग बना सके। साधारण जनसमुदाय तो उस सिद्धांत अथवा विचारधारा से परिचित कराने वाले के जीवन में ही उस सिद्धांत और विचारधारा को ढूंढता है और उसी से प्रेरणा प्राप्त करता है। पूज्य तनसिंह जी अपनी डायरी में इसी बात को स्पष्ट करते हुए लिखते हैं कि 'भावुकता आकर भी जब गंभीरता नहीं लाती, प्रौढता के क्षेत्रों में बचपन की किलकारियाँ चलती हों, तब यह मान लेना चाहिये कि अप्राकृतिक रूप से सिद्धांतों को हजम नहीं किया जा सकता। उस समय किसी की चरण धूलि को मस्तक के लगाना सिद्धांत पूजा से कहीं अधिक व्यावहारिक रूप से ज्ञान और गरिमा प्राप्त करने का मार्ग है।' इस बात की सत्यता का अनुभव श्रद्धेय भगवान सिंह जी का सान्निध्य प्राप्त करने वाले प्रत्येक व्यक्ति ने किया है। उनके निकट बैठने मात्र से ही भीतर जैसे नवीन प्रेरणा का उदय हो जाता था। निरंतर उनके संपर्क में रहने वाले स्वयंसेवक तो सदैव ही उनके विराट व्यक्तित्व के दर्शन कर कृतकृत्य होते थे लेकिन अत्यल्प समय के लिए भी यदि कोई उनके संपर्क में आया तो उनके व्यक्तित्व की गरिमा और महानता से प्रभावित हुए बिना नहीं रह सका। उनके देहावसान के पश्चात हजारों लोगों द्वारा विभिन्न माध्यमों पर उनके साथ बिताए समय के जो अनुभव साझा किए गए, उनसे श्रद्धेय भगवान सिंह जी के विराट व्यक्तित्व के प्रभाव का सहज ही आकलन किया जा सकता है। उनकी भौतिक देह के अवसान के पश्चात भी उनके पावन सान्निध्य की पुण्य स्मृति हमें सदैव प्रेरणा देती रहेगी किंतु वह प्रेरणा सार्थक तभी होगी जब हम कर्म द्वारा उनका अनुकरण करेंगे। जो उन्होंने किया, हम भी वह करें। 'महाजनो येन गतः स पन्थाः।' पूज्य तनसिंह जी के दर्शन की एक-एक पंक्ति को अपने व्यक्तित्व में जिस प्रकार श्रद्धेय भगवान सिंह जी ने जीवंत करके दिखाया, उसी प्रकार हम भी साधना और तपस्या के माध्यम से उनसे पाए शिक्षण को अपने आचरण में धारण करें। हमारे जीवन के प्रेरणास्रोत के प्रति यही हमारी सच्ची कृतज्ञता और श्रद्धांजलि हो सकती है।

महावीर सिंह बने एचपीयू के 28वें कुलपति

प्रसिद्ध वैज्ञानिक प्रोफेसर महावीर सिंह को हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय (एचपीयू) का 28वां कुलपति नियुक्त किया गया है। हिमाचल प्रदेश के शिमला जिले के कुमारसैन तहसील के कचेड़ी गांव के मूल निवासी प्रो. महावीर सिंह ने एचपीयू से एमएससी तथा आईआईटी दिल्ली से पीएचडी की। डीएवी कॉलेज कांगड़ा में शिक्षण कार्य से अपने करियर की शुरूआत करने के बाद वे कॉमनवेल्थ फेलोशिप प्राप्त कर फ्रांस में विजिटिंग प्रोफेसर के रूप में कार्यरत रहे। ग्रीन एनर्जी, संचार प्रणाली और कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों के उपचार के क्षेत्रों में भी उनका कार्य अनुकरणीय रहा है। उन्हें 2012 और 2022 में राज्यपाल द्वारा 'बेस्ट रिसर्चर अवॉर्ड' से भी सम्मानित किया गया।

ध्रुवपाल सिंह डंडाली का सेबी में अधिकारी के पद पर चयन

बालोतरा जिले के डंडाली गांव के निवासी ध्रुवपाल सिंह पुत्र जालम सिंह का भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) में ए ग्रेड सहायक प्रबंधक के पद पर चयन हुआ है।

नाडोल में मनाई सम्राट पृथ्वीराज चौहान की 859वीं जयंती

पाली जिले के नाडोल कस्बे में स्थित मां आशापुरा मंदिर प्रांगण में 7 जून को सम्राट पृथ्वीराज चौहान की 859वीं जयंती समारोह पूर्वक मनाई गई। पृथ्वीराज चौहान संस्थान जोधपुर के तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पूर्व सांसद व भारतीय कुश्ती संघ के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण सिंह ने कहा कि सम्राट पृथ्वीराज ने अपना जीवन धर्म एवं राष्ट्र की रक्षा के लिए समर्पित किया। उनकी सेना में उस समय के सभी प्रमुख राजवंशों के योद्धा शामिल थे जो उनके सामंत की भूमिका निभाते थे। इसलिए यह जयंती समारोह मात्र उनका जयंती समारोह नहीं है बल्कि उन सभी वीर पुरुषों का स्मरण दिवस भी है। आज लगभग एक हजार वर्ष बाद भी पृथ्वीराज जी का व्यक्तित्व हमें एकता का संदेश देता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए बाली विधायक पुष्पेंद्र सिंह राणावत ने पृथ्वीराज के शौर्य और शरणागत वत्सलता जैसे गुणों को स्मरण करते हुए उनसे प्रेरणा लेने की बात कही। शिव विधायक रविंद्र सिंह भाटी ने कहा कि युवा ही आने वाले भारत के कर्णधार है इसलिए युवाओं को केंद्र में रखकर ही कार्य किया जाना चाहिए। इस अवसर पर सम्राट पृथ्वीराज के सामंतों के नाम पर विभिन्न क्षेत्रों में श्रेष्ठ कार्य करने वाले समाजबंधुओं को पुरस्कार भी दिए गए। राजेंद्रसिंह पिपरली ने संस्थान के वर्ष भर के कार्यों का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। संस्था के अध्यक्ष गोपाल सिंह ने सभी का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन श्यामसिंह सजाडा ने किया। कार्यक्रम में पूर्व सांसद नारायणसिंह मानकलाव, खुशवीर सिंह जोजावर, राव मोहन सिंह चितलवाना, थान सिंह भुरियासनी, महिपाल सिंह मकराना, विक्रम सिंह सर, महेंद्रसिंह सर, राव नटवर सिंह कल्याणपुर, सिद्धार्थ सिंह रोहट सहित अनेकों समाजबंधु उपस्थित रहे। कार्यक्रम में मातृशक्ति की भी उपस्थिति रही।

अपने आप में एक संस्थान थे भगवान सिंह जी: उपराष्ट्रपति

(पेज दो से लगातार)

7 जून को बाड़मेर स्थित भारतीय ग्राम्य आलोकायन आश्रम में भी श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई जिसमें सर्वसमाज के लोगों ने उपस्थित रहकर उनके प्रति श्रद्धा प्रकट की। बाड़मेर सांसद उम्मेदाराम बेनीवाल, चौहटन विधायक आदूराम मेघवाल, रावत त्रिभुवन सिंह, अपर जिला कलक्टर राजेन्द्र सिंह चांदावत, पूर्व मंत्री हरीश चौधरी, अमीन खां, भाजपा नेता स्वरूपसिंह खारा, दीपक कड़वासरा, कैप्टन हीरसिंह रणधा, खुमानसिंह सुवाला, रिड़मलसिंह दांता, तगसिंह गेहूं, पूर्व विधायक मेवाराम जैन, जिला प्रमुख महेंद्र कुमार, सभापति दिलीप माली, उप सभापति सुरताणसिंह देवड़ा, प्रधान गिरधरसिंह व सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों एवं सर्व समाज के गणमान्य लोगों ने उपस्थित रहकर संरक्षक श्री को श्रद्धांजलि अर्पित की। पोकरण स्थित श्री दयाल राजपूत छात्रावास में भी श्रद्धांजलि सभा आयोजित हुई जिसमें पूर्व विधायक सांग सिंह, सांकड़ा समिति के प्रधान भगवत सिंह तंवर, पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष जुगल किशोर व्यास, हेमशंकर जोशी, गिरधारी सिंह धोलिया, नारायण सिंह राजगढ़, पदम सिंह सनावड़ा, संघ के संभाग प्रमुख गणपत सिंह अवाय, वरिष्ठ स्वयंसेवक भवानी सिंह मुंगेरिया, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक प्रवीण कुमार, भणियाणा विकास अधिकारी हनुमाना राम, नगर पालिका अध्यक्ष मनीष पुरोहित, पूर्व विधायक शैतान सिंह सहित सर्व समाज के अनेकों गणमान्य

जसाई, मृदुरेखा चौधरी, उम्मेदसिंह चौधरी, फतेह मोहम्मद, कोटड़ा राणा नरेंद्र प्रताप सिंह, भीमसिंह सांचल फोर्ट, समाजसेवी जोगेंद्र सिंह-राजेंद्र सिंह, किसान छात्रावास अध्यक्ष बलवंतसिंह चौधरी, करनाराम चौधरी, हाजी रहीम खां छीपा, भगवान बारूपाल, महेश दादाणी, डॉ लक्ष्मी नारायण जोशी, टीलसिंह चूली सहित अनेकों गणमान्य व्यक्तियों ने कार्यक्रम में शामिल होकर श्रद्धेय भगवान सिंह जी को श्रद्धांजलि अर्पित की। संभाग प्रमुख महीपाल सिंह चूली सहयोगियों सहित उपस्थित रहे। बीकानेर के तिलक नगर में स्थित संभागीय कार्यालय नारायण निकेतन में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया जिसमें बीकानेर पूर्व की विधायक सिद्धि कुमारी, खाजूवाला विधायक विश्वनाथ मेघवाल, बीकानेर भाजपा देहात अध्यक्ष श्याम पंचारिया, व्यापार मंडल अध्यक्ष जुगल राठी, वाल्मीकि समाज के अध्यक्ष शिवलाल तेजी आदि ने पुष्पांजलि अर्पित की। संभाग प्रमुख रेवंत सिंह जाखासर सहयोगियों सहित कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

जोधपुर में बनाड़ रोड स्थित श्री क्षत्रिय युवक संघ के संभागीय कार्यालय तनायन में आयोजित कार्यक्रम में पूर्व सासंद एवं मंत्री जसवंत सिंह विश्नोई, केन्द्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत की धर्मपत्नी नौनंद कंवर, महेंद्र सिंह राठौड़ (पूर्व चेयरमैन जेडीए), हनुमान सिंह खांगटा, पृथ्वी सिंह मामडोली, स्वरूप सिंह सांगलिया, के वी सिंह चांदरख, चैन सिंह इंदा, जसवंत सिंह इंदा, गोपाल सिंह भलासरिया सहित अनेकों गणमान्य जन उपस्थित रहे। जैसलमेर स्थित श्री क्षत्रिय युवक संघ के संभागीय कार्यालय तनाश्रम में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया जिसमें जैसलमेर महारावल चैतन्य राज सिंह सहित विभिन्न राजनीतिक दलों व्यक्ति उपस्थित रहे। जालौर में आहोर रोड स्थित होटल में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया जिसमें आहोर विधायक छगन सिंह राजपुरोहित, भाजपा नेता रविंद्र सिंह बालावत, पुखराज पाराशर, संदीप जोशी, अर्जुन सिंह उज्वल आदि ने अपने विचार रखते हुए श्रद्धेय भगवान सिंह जी को श्रद्धांजलि अर्पित की। संभाग प्रमुख अर्जुन सिंह देलदरी सहयोगियों सहित कार्यक्रम में उपस्थित रहे। साधना संगम संस्थान के तत्वावधान मे नागौर स्थित श्री अमर राजपूत छात्रावास में श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई। कार्यक्रम में नागौर नगरपालिका सभापति मीतू बोथरा, कांग्रेस पीसीसी सदस्य रघवेन्द्र मिर्धा, व्यापार मंडल के अध्यक्ष भोजराज सारस्वत, अमर छात्रावास अध्यक्ष नारायण सिंह भाटी, पूर्व सरपंच किशोर सिंह बालवा, बंटी सिंह सरपंच सिंगड़, भवानी सिंह, संघ के डीडवाना प्रांत प्रमुख जय सिंह सागुबडी सहयोगियों सहित उपस्थित रहे। डीडवाना में स्थित वीरवर दुगार्दास राठौड़ राजपूत सभा भवन में भी श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई जिसमें वरिष्ठ स्वयंसेवक भगवत सिंह सिंघाना, विधायक प्रत्याशी जितेन्द्र सिंह जोधा, मोहन सिंह प्यांवा, राजपूत सभा के अध्यक्ष भंवर सिंह, जीवराज सिंह, रुघवीर सिंह, सायर सिंह, अजीत सिंह, रामसिंह, पुखराज सिंह, एडवोकेट बाबूलाल मेघवाल, रामनिवास, श्यामलाल, विनोद सैन सहित सर्व समाज के अनेक बंधू उपस्थित रहे। गंगानगर जिले के सूरतगढ़ कस्बे में स्वाध्याय संस्थान में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन हुआ जिसमे संस्थान संचालक सुमेर सिंह शेखावत, रोहिताश गोस्वामी, छोटू सिंह बालना, खुमान सिंह गोकुल, सुरेन्द्र सिंह विकेंद्री, हड़वंत सिंह, खींवसिंह भलुरी, तख्त सिंह, अशोक सिंह आशापुरा सहित सर्व समाज के लोग उपस्थित रहे। अजमेर प्रांत में श्री जगदम्बा छात्रावास केकड़ी में भी श्रद्धांजलि कार्यक्रम रखा गया जिसमें केकड़ी विधायक शत्रुघ्न गौतम, उप जिला प्रमुख हंगामी लाल चौधरी, केकड़ी प्रधान होनहार सिंह सापणदा, सावर नगरपालिका चेयरमैन विश्वजीत सिंह सावर, दशरथ सिंह भराई, सुनिधि राठौड़ डोराई, प्रांत प्रमुख विजयराज सिंह जालिया सहित केकड़ी, सरवाड़, भिनाय व सावर क्षेत्र के समाजबंधु शामिल हुए। **(शेष पृष्ठ 6 पर)**

हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

प्रदीप सिंह सुपुत्र
श्री कुम्भसिंह नाहरसिंह
नगर तेना (जोधपुर) के
कक्षा 10 में 91.33 प्रतिशत
अंक प्राप्त करने पर
हार्दिक बधाई एवं उज्वल भविष्य की शुभकामनाएं।
शुभेच्छु : समस्त परिवारजन

IAS/ RAS
तैयारी करने का राजस्थान का सर्वश्रेष्ठ संस्थान
स्प्रिंग बोर्ड
Spring Board
Springboard Academy, Main Riddi Siddi choraha, Opposite Bank of Baroda, Gopalpura bypass Jaipur
website : www.springboardindia.org

BNB
ॐ
श्री योगेश्वर छात्रावास
कुचामन सिटी

विशेषताएं
1. कक्षा 6 से 12 वीं तक के विद्यार्थियों हेतु सीमित स्थान ।
2. अनुशासित एवं नियमित दिनचर्या ।
3. शुद्ध, पौष्टिक एवं सात्विक आहार ।
4. सभी प्रमुख शिक्षण संस्थाओ के समीप स्थित ।
5. स्वाध्याय हेतु नि:शुल्क लाईब्रेरी सुविधा ।

जिम्मेदारी हमारी विश्वास आपका
संम्पर्क सूत्र :
9772097087, 9799995005, 8769190974
SBI बैंक के पास, डीडवाना रोड़, कुचामन सिटी

अलख नयन
आई हॉस्पिटल

Super Specialized Eye Care Institute
विश्वस्तरीय सम्पूर्ण नेत्र चिकित्सा सेवाएं
मोतियाबिन्द | कॉर्निया | नेत्र प्रत्यारोपण
कालापानी | रेटिना | बच्चों के नेत्र रोग
डायबिटीक रेटिनोपैथी | ऑक्यूलोप्लास्टि
'अलख हिल्स', प्रताप नगर ऐक्सटेंशन, एयरपोर्ट रोड, उदयपुर
0294-2490970, 71, 72, 9772204624
e-mail : info@alakhnayanmandir.org, Website : www.alakhnayanmandir.org

अपने आप में एक संस्थान थे भगवान सिंह जीः उपराष्ट्रपति

(पेज पांच से लगातार)

अजमेर प्रांत में श्री राजपूत छात्रावास विजयनगर में भी श्रद्धांजलि कार्यक्रम रखा गया जिसमें विजयनगर व मसूदा क्षेत्र के समाजबंधु शामिल हुए। श्री राजपूत धर्मशाला धनोप माता की कार्यकारिणी की बैठक में भी भगवान सिंह जी रोलसाहबसर को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। संस्था के अध्यक्ष सत्येंद्र सिंह धनोप, क्षत्रिय सभा केकड़ी के अध्यक्ष गोपाल सिंह कादेडा सहित अन्य पदाधिकारी व समाजबंधु उपस्थित रहे। डूंगरपुर जिले के आसपुर में राजपूत छात्रावास सभा भवन जोधा मगरी में भी कार्यक्रम आयोजित हुआ। समानता मंच संरक्षक दिग्विजय सिंह करेलिया, वरिष्ठ स्वयंसेवक गुमान सिंह वालाई सहयोगियों सहित उपस्थित रहे। शेखावाटी संभाग के चूरू प्रांत में श्री स्वरूप राजपूत छात्रावास रतनगढ़ में भी कार्यक्रम आयोजित हुआ जिसमें संघ के वरिष्ठ स्वयं सेवक सुमेर सिंह गुढ़ा, पूर्व विधायक रतनगढ़ राजकुमार रिणवा ने उपस्थित रहे। श्री राजपूत बालिका छात्रावास निवाई (टोंक) में भी कार्यक्रम आयोजित हुआ जिसमें एड. तेज भंवर सिंह नटवाड़ा, गोविंद सिंह पलेई, अनु सिंह राहोली, करण सिंह खाजपुरा, भंवर सिंह सूरज का खेड़ा, राजेंद्र सिंह गूंसी, ओमप्रकाश (सरपंच बिडोली), राजू जांगिड़, शक्ति सिंह सुनारा आदि उपस्थित रहे। टोंक जिले के उनियारा में श्री राजपूत समाज जागृति सेवा संस्थान, उनियारा के तत्वावधान में तबेला स्थित निजी विद्यालय में श्रद्धांजलि सभा का कार्यक्रम रखा गया। श्री राजपूत सभा टोंक द्वारा भी श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया जिसमें धर्मेंद्र सिंह, उमराव सिंह, अरविंद सिंह, गिर्राज सिंह, शिव सिंह, मान सिंह, राम प्रताप सिंह, किशन सिंह आदि समाजबंधुओ ने उपस्थित रहकर श्रद्धेय भगवान सिंह जी को श्रद्धांजलि दी।

नारायण सिटी शाखा स्थल, कालवाड रोड़, जयपुर पर भी श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया जिसमें स्थानीय समाजबंधु उपस्थित रहे। श्री आयुवान शाखा महेश नगर जयपुर में भी कार्यक्रम हुआ जिसमें जयपुर में रहकर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले छात्रों ने पूज्य श्री के साथ बिताए समय के अनुभव सुनाते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। गुजरात में गोहिलवाड़ संभाग के भावनगर शहर प्रांत के कालियाबीड की तक्षशिला शाखा में पू. भगवानसिंह जी को श्रद्धांजलि अपित की गई। संघ के केंद्रीय कार्यकारी महेन्द्रसिंह पांची, वरिष्ठ स्वयंसेवक धर्मेंद्रसिंह आंबली, मंगलसिंह धोलेरा, अजीतसिंह थलसर व अन्य सहयोगी कार्यक्रम में उपस्थित रहे। मध्य गुजरात संभाग में श्री नयनाबा जितेंद्रसिंह वाघेला राजपूत समाज भवन, काणेटी में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन हुआ जिसमें स्थानीय समाजबंधु मातृशक्ति सहित उपस्थि रहे। उत्तर गुजरात संभाग के पाटन प्रान्त में श्री दानसिंहजी राजपूत छात्रावास पाटन में श्रद्धांजलि सभा आयोजित हुई जिसमें श्री अखिल गुजरात राजपूत युवा संघ, श्री सिद्धराज एज्युकेशन ट्रस्ट, करनी सेना,समुह लग्न समिति, पाटन शहर राजपूत समाज आदि संस्थाओं के प्रतिनिधि एवं समाजबंधु शामिल हुए। थराद प्रान्त के पीलुडा में जागृति उत्तर बुनियादी विद्यालय में कार्यक्रम रखा गया। गुजरात की राजधानी गांधीनगर में स्थित सेंट्रल विस्टा गार्डन में भी कार्यक्रम रखा गया।

इनके अतिरिक्त 7 व 8 जून को विशाखापत्तनम (आंध्रप्रदेश), चेन्नई (तमिलनाडु), बेंगलुरु (कर्नाटक), कोलकाता (पश्चिम बंगाल), सूरत (गुजरात), महाराणा प्रताप हॉल कालबादेवी (दक्षिण मुंबई), राजस्थान राजपूत परिषद सभा भवन गोराई (बोरीवली, मुंबई), राजस्थान क्षत्रिय एकता मंच सागर निवास (पनवेल, नवी मुंबई), राजस्थान राजपूत समाज भवन पुणे और पिंपरी चिंचवड़ में भी श्रद्धांजलि सभाएं आयोजित की गईं। अवाणिया (गुजरात), विश्वेश्वर महादेव वाड़ी कड़ा (मेहसाणा), आयुवान निकेतन (कुचामन सिटी), गंगेश्वर महादेव पांसवाल (पालनपुर), राजपूत सभा भवन नवलगढ़, श्री कल्ला रायमलोत राजपूत छात्रावास सिवाना, शिहोर (देत्रोज, गुजरात), श्री गंगानगर, शिव स्वरूप आश्रम नीमराना (बहरोड़), श्री चारभुजा छात्रावास मेड़ता, बोबासर (सुजानगढ़, नागौर), रायमला (जैसलमेर), मूलाना (जैसलमेर), जौहर भवन चित्तौड़गढ़, टोडी हरमाड़ा (जयपुर) और पाली प्रांत के सांडिया (सोजत) में

स्थित श्री झुंझार बावजी मंदिर में भी कार्यक्रम आयोजित हुए।

9 जून को बालोतरा स्थित वीर दुगार्दास राजपूत छात्रावास में कार्यक्रम आयोजित हुआ जिसमें पूर्व विधायक मदन प्रजापत, रावणा राजपूत सभा के जिलाध्यक्ष ईश्वर सिंह जसोल, पंचायत समिति बालोतरा के प्रधान भगवत सिंह जसोल, जिला परिषद के अतिरिक्त कार्यकारी भुवनेश्वर सिंह, बालोतरा जिला भाजपा अध्यक्ष भारत मोदी, पाटौदी उप प्रधान नखत सिंह कालेवा, अतिरिक्त विकास अधिकारी कान सिंह भाटी, अतिरिक्त जिला शिक्षा अधिकारी जेतमाल सिंह विशाला, पूर्व पार्षद नेमीचंद माली, कनाना सरपंच चैनकरण, पूर्व जिला परिषद सदस्य बाबूलाल नामा, जिला परिषद सदस्य लक्ष्मण लोहिया, कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष वीरम सिंह थोब सहित सर्व समाज के अनेकों बंधु उपस्थित रहे। अजमेर जिले के नागोला में स्थित दिव्य ज्ञान शिक्षण संस्थान श्री राम भवन में कार्यक्रम आयोजित हुआ घनश्याम सिंह नागोला, कान सिंह सोल अन्य समाज बंधुओ सहित उपस्थित रहे। ओसियां के महाराजा गजसिंह शिक्षण संस्थान परिसर में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया जिसमें प्रांत प्रमुख पदम सिंह ओसियां, योगेन्द्र सिंह खेतासर, जगतसिह ओसियां, मोहन सिंह भाकरी सहित अनेकों समाजबंधु उपस्थित रहे। पाली के राजेंद्र नगर में स्थित राजपूत सभा भवन में भी कार्यक्रम आयोजित हुआ जिसमें पूर्व विधायक ज्ञानचंद पारख, सभापति महेंद्र बोहरा, उपखंड अधिकारी विमलेंद्र सिंह राणावत, यशपाल सिंह हेमावास, गजेंद्र सिंह कालवी, कांग्रेस जिलाध्यक्ष प्रवीण सिंह कोठारी, संघ के पाली प्रांत प्रमुख महोब्बत सिंह धींगाणा सहित सर्व समाज के बंधु उपस्थित रहे। प्रतापगढ़ स्थित अंबिका बाणेश्वरी संस्थान राजपूत हॉस्टल में भी कार्यक्रम रखा गया जिसमें संस्थान के अध्यक्ष दिगविजय सिंह चिकलाड, महिपाल सिंह चौहान सहित अन्य पदाधिकारी व समाजबंधु उपस्थित रहे। 9 जून को माननीय भगवान सिंह जी के गृहक्षेत्र फतेहपुर में बावड़ी गेट स्थित प्रेरणा भवन में कार्यक्रम आयोजित हुआ जिसमें विधायक हाकम अली खां ने भगवान सिंह जी रोलसाहबसर के नाम से स्मारक बनाने की बात कही। भाजपा जिलाध्यक्ष मनोज बाटड़, कांग्रेस नेता आर सी चौधरी, पूर्व विधायक नंदकिशोर महरिया आदि भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे। श्री राजपूत करणी संस्थान सूरतगढ़ में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया जिसमें राण सिंह भीमरलाई, कर्नल हरि सिंह भाटी ओला, किशन सिंह भाटी जिनझिनयाली, संस्थान के अध्यक्ष भीखसिंह शेखावत व अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे। 10 जून को जोधपुर जिले के सेतरावा कस्बे के बावकान तालाब स्थित देवराज सभा भवन में देवराज हितकारिणी सभा के द्वारा माननीय भगवान सिंह रोलसाहबसर और कैबिनेट मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर की धर्मपत्नी स्व.प्रीति कुमारी जी की स्मृति में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया जिसमें संघ के जोधपुर संभाग प्रमुख चंद्रवीर सिंह देणोक, देवराज हितकारिणी सभा के अध्यक्ष मोती सिंह चौरड़िया, डॉ मनोहर सिंह सेतरावा सहयोगियों व समाजबंधुओं सहित उपस्थित रहे। गुजरात में धानेरा तहसील के अनापुर छोटा गांव में भी कार्यक्रम हुआ। सरमथुरा उपखण्ड के आंगई में टीम मिशन शिक्षा के तत्वावधान श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर नरोत्तम सिंह परमार, बनवारी सिंह जोरगढ़ी, धर्मेंद्रसिंह जोरगढ़ी, विवेक सिंह परमार आदि उपस्थित रहे। बालोतरा जिले की तहसील गिड़ा मुख्यालय पर परेऊ मठ महामण्डलेश्वर ओंकार भारती जी के सान्निध्य में कार्यक्रम हुआ जिसमें बायतु विधानसभा के प्रत्याशी बालाराम मूड, गिड़ा प्रधान टीकू राम लेगा, पूर्व प्रधान लक्ष्मण राम डेलू आदि शामिल हुए। इसके अतिरिक्त महरौली (सीकर), ब्यावर, परमवीर मेजर शैतान सिंह राजपूत छात्रावास फलोदी, चितावा (डीडवाना-कुचामन), महाराव सूरताण क्षत्रिय शिक्षण संस्थान सिरोही, राजपूत सभा छात्रावास संस्थान, डांगपाड़ा (बांसवाड़ा), श्री राजपूत सभा भवन जायल (नागौर), कुम्भा भवन (भीलवाड़ा), सांचौर (जालौर), बडोड़ा गाँव (जैसलमेर), सवाई माधोपुर, श्री क्षत्रिय सेवा समिति डेगाना, बापिणी (जोधपुर), राजपूत सभा भवन बालेसर (जोधपुर), राजपूत छात्रावास पीपाड़ शहर, नागाणा राय मन्दिर नाथड़ाऊ (जोधपुर), श्री लक्ष्मण राजपूत छात्रावास डूँगरपुर, महाराणा प्रताप छात्रावास नाथद्वारा, राण सिंह सभा भवन चांधन (जैसलमेर), कांग्रेस कार्यालय चांधन (जैसलमेर), मोहनगढ़ (जैसलमेर), श्री जैतमाल राजपूत छात्रावास पादरू (बालोतरा), जयपुर में अजमेर रोड स्थित पंच परमेश्वर मंदिर में और गुजरात के वड़ोद (आणंद) व दढ़ियाल मणिनगर (मेहसाणा) में भी श्रद्धांजलि सभाओं का आयोजन हुआ।

11 जून को उज्जैन में देवास रोड स्थित शर्मा परिसर में श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई। गुड़ामालानी प्रांत के बूठ गांव में भी कार्यक्रम रखा गया जिसमें बूठ, भालीखाल, मांगता, उण्डखा, रामदेरिया आदि गांवों से सर्व समाज के बंधुओ ने भाग लिया। शेखावाटी संभाग के चूरू प्रान्त में करणी राजपूत छात्रावास सरदारशहर, बणीर राजपूत छात्रावास चूरू एवं महाराजा तारा सिंह स्मृति राजपूत छात्रावास तारानगर में श्रद्धांजलि सभाएं आयोजित की गईं। मूलाना (जैसलमेर), मेजर शैतान सिंह राजपूत छात्रावास अजमेर, कोटा, गडरारोड़ (बाड़मेर) और देसूरी (पाली) में भी कार्यक्रम आयोजित हुए।

(शेष पृष्ठ 7 पर)

(पृष्ठ एक का शेष)

प्रेरणास्रोत की...

बाड़मेर में संघ का एक आदर्श शिविर स्थल 'आलोक आश्रम' के रुप में विकसित हुआ। सीकर में बालिका शिक्षा का नया प्रकल्प 'श्री दुर्गा महिला विकास संस्थान' प्रारंभ हुआ। संघ का विस्तार क्षेत्र गुजरात व राजस्थान से बाहर निकलकर महाराष्ट्र, दिल्ली, हरियाणा, उत्तरप्रदेश, मध्यप्रदेश के साथ साथ सुदूर दक्षिण के राज्यों तक विस्तारित हुआ। समाज के राजनीतिज्ञों को संस्थागत रुप से समाज के आम नागरिकों से जोड़ने का प्रयास 'श्री प्रताप फाउण्डेशन' के रुप में सामने आया जो वर्तमान में भी गतिमान है। इसी बीच आपका संपर्क 'यथार्थ गीता' के प्रणेता स्वामी अड़गड़ानंद जी महाराज से हुआ एवं उनके मार्गदर्शन में आध्यात्म का वास्तविक स्वरुप अपने साथियों को समझाकर उस मार्ग पर आरुढ किया।

4 जुलाई 2021 को आपने श्री क्षत्रिय युवक संघ के संरक्षक व मार्गदर्शक की भूमिका अंगीकार करते हुए माननीय श्री लक्ष्मण सिंह बैण्यांकाबास को संघप्रमुख का औपचारिक दायित्व सौंपा। 22 दिसंबर 2021 में आपके संरक्षण और माननीय संघप्रमुख लक्ष्मण सिंह जी बैण्यांकाबास के नेतृत्व में संसार ने संघ व समाज का विराट स्वरूप संघ की हीरक जयंती के रूप में देखा और दांतों तले अंगुली दबा कर हमारे समाज की मौलिक विशेषताओं के दर्शन किए। स्नेह, सरलता, आत्मानुशासन, स्वाध्याय और आध्यात्मिकता से परिपूर्ण व्यक्तित्व से उन्होंने केवल संघ के प्रत्येक स्वयंसेवक के ही नहीं बल्कि उनके संपर्क में आने वाले प्रत्येक व्यक्ति के जीवन को प्रभावित किया और उन्हें श्रेष्ठता की ओर बढ़ते रहने की प्रेरणा दी। उनके देहावसान ने उनसे प्रेरणा प्राप्त करने वाले सभी लोगों के जीवन में एक अभाव उत्पन्न कर दिया है परंतु उन्होंने स्वयं को संघमय बनाकर आगे बढ़ने का जो मार्ग हमें बताया, उस पर चलकर उस अभाव की पूर्ति उनकी दिव्य प्रेरणा से अवश्य संभव होगी। यात्रा के लिए स्वास्थ्य की प्रतिकूलता होने पर भी संरक्षक श्री 18 मई को उदयपुर में आयोजित उच्च प्रशिक्षण शिविर में पहुंचे थे। शिविर के दौरान 23 मई को संरक्षक श्री का स्वास्थ्य अधिक कमजोर होने पर स्थानीय चिकित्सकों द्वारा उनकी जांच की गई एवं स्वास्थ्य में अपेक्षित सुधार ना होने पर उन्हें जयपुर ले जाने का निश्चय किया। 24 मई की रात्रि को संरक्षक श्री को जयपुर लाया गया जहां उन्हें सवाई मानसिंह अस्पताल में भर्ती किया गया। सभी चिकित्सकीय प्रयत्नों के उपरांत भी उनका स्वास्थ्य बिगड़ता गया और 5 जून को संरक्षक श्री की भौतिक देह का अवसान हो गया। संरक्षक श्री के देहावसान का समाचार जैसे ही संघ के स्वयंसेवकों एवं समाजबंधुओ को विभिन्न माध्यमों से प्राप्त हुआ वैसे ही देश भर से स्वयंसेवक अपने प्रेरणास्रोत के अंतिम दर्शन हेतु जो साधन उपलब्ध हुआ, उसी से जयपुर के लिए रवाना हुए। 6 जून को प्रातःकाल में संरक्षक श्री की पार्थिव देह को अंतिम दर्शन हेतु संघशक्ति परिसर में रखा गया जहां देश भर से पहुंच रहे स्वयंसेवकों के साथ साथ विभिन्न जाति समाजों के हजारों लोगों ने उनके अंतिम दर्शन कर अश्रुपूरित नमन किया और पुष्पांजलि अर्पित करते हुए अपने हृदय में उमड़ रहे भावों की मौन अभिव्यक्ति का प्रयत्न किया। दोपहर 4 बजे संरक्षक श्री की पार्थिव देह को झोटवाड़ा के लता सर्किल पर स्थित श्मशान घाट ले जाया गया। हजारों स्वयंसेवक और समाजबंधु अंतिम यात्रा वाहन के साथ पैदल चलते हुए 'ॐ', 'राम' आदि का उच्चारण करते हुए संघशक्ति भवन से श्मशान घाट पहुंचे। यहां वैदिक मंत्रोच्चार के साथ यज्ञ रूप में संरक्षक श्री का अंतिम संस्कार किया गया एवं माननीय संघ प्रमुख श्री लक्ष्मण सिंह बैण्याकाबास द्वारा चिता को मुखाग्नि दी गई और संरक्षक श्री की पार्थिव देह ने पंचतत्व में विलीन होकर अपनी यात्रा पूर्ण की।

(पृष्ठ 06 का शेष)

अपने आप में...

जालौर जिले के आहोर कस्बे में स्थित राजपूत सभा भवन में भी सभा रखी गई जिसमें राष्ट्रीय स्वयंसेवक जोधपुर प्रांत प्रचारक खीमाराम सुथार, शिवप्रतापसिंह भैंसवाड़ा, पूर्व विधायक शंकरसिंह राजपुरोहित, कांग्रेस प्रदेश कमेटी सदस्य सवाराम चौधरी, भाजपा मंडल अध्यक्ष ईश्वरसिंह थुंबा, कवि सचिन और शिक्षाविद अचलसिंह बालोत सहित सैकड़ों क्षेत्रवासी शामिल हुए। बालोतरा जिले के पादरू गांव में भी कार्यक्रम आयोजित हुआ जिसमें संभाग प्रमुख मूल सिंह काठाडी, पंचायत समिति सदस्य महीराम विश्नोई, शिक्षाविद रणछोड़ राम प्रजापत आदि शामिल रहे। राजपूत छात्रावास जैतारण और सायला स्थित श्री जलंधर नाथ राजपूत छात्रावास में भी कार्यक्रम हुए। जैसलमेर संभाग के रामगढ़ प्रांत के जोगा गांव में, श्री राजपूत शिक्षण सेवा संस्थान के तत्वावधान में आबूरोड स्थित सभा भवन में और रानीवाड़ा में स्थित हिंगलाज मंदिर में भी कार्यक्रम आयोजित हुए। बीकानेर संभाग के श्रीडूंगरगढ़ प्रांत के सिंधी भवन में भी कार्यक्रम आयोजित हुआ जिसमें विश्वकर्मा कौशल विकास बोर्ड राज्य मंत्री रामगोपाल सुथार, नगर पालिका नेता प्रतिपक्ष अंजू पारख, तुलसीराम चौरडिया, शकील अहमद, नगर पालिका अध्यक्ष मानमल शर्मा, वरिष्ठ स्वयंसेवक भागीरथ सिंह सेरूणा सहित अनेकों गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। जोधपुर के पीलवा कस्बे में स्थित श्री बगतेश धर्मशाला में एवं सुमेरपुर स्थित श्री गोड़वाड़ राजपूत महासभा संस्थान में भी कार्यक्रम हुए। सुमेरपुर में भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष नाहर सिंह धींगाना, सी ओ सुमेरपुर जितेंद्र सिंह गिलाकोर, शिवराज सिंह बिठिया, शेर सिंह मेवाड़ा, परबत सिंह खिंदारा गांव, इंदर सिंह कानपुरा आदि उपस्थित रहे। हरियाणा में हिसार राजपूत सभा में श्रद्धाजलि सभा आयोजित हुई जिसमें डॉ. सुल्तान सिंह खानड़ी, नलवा विधायक रणधीर पणिहार के पुत्र भूपेन्द्र पणिहार, अग्रोहा ब्लॉक भाजपा अध्यक्ष मोहन लाल नंगथला, हिसार राजपूत सभा के प्रधान भूपेन्द्र सिंह चौधरीवास आदि उपस्थित रहे। सोजत सिटी में निमली नाड़ी स्थित राजपूत छात्रावास में, भीनमाल (जालौर), राजपूत सभा भवन किशनगढ़, राजपूत छात्रावास धौलपुर और सलूंबर (उदयपुर) में भी सभाओं का आयोजन कर श्रद्धेय भगवान सिंह जी को श्रद्धांजलि दी गई। सैंफऊ (धौलपुर) और महाराजा गोपाल सिंह राजपूत छात्रावास करौली में भी कार्यक्रम हुए। उदयपुर के फतेहनगर में स्थित महाराणा प्रताप क्षत्रिय संस्थान में भी कार्यक्रम हुआ। 12 जून को फलोदी के बामणु गांव और नागौर के बुटाटी कोर्ट में भी कार्यक्रम हुए। कल्याणपुर में नागाणा रोड स्थित श्री जगदंबा राजपूत छात्रावास, श्री हरिश्चंद्र राजपूत छात्रावास झालावाड़, चौहटन (बाड़मेर) में श्रद्धांजलि सभाएं रखी गईं। वीर दुगार्दास शाखा मालाड़ (मुम्बई) में सर्व समाज के बन्धुओ द्वारा पूज्य श्री भगवानसिंह जी की तस्वीर के सामने पुष्प अर्पित करके उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। चित्तौड़गढ़ के निंबाहेड़ा में बडोली रोड स्थित राजपूत छात्रावास परिसर में भी श्रद्धांजलि सभा रखी गई जिसमें संघ के केंद्रीय कार्यकारी गंगा सिंह साजियाली सहयोगियों सहित उपस्थित रहे। म्याजलार (जैसलमेर), उदावत कृषि फार्म बिलाड़ा, लॉर्ड कृष्णा स्कूल रेवदर (सिरोही) एवं रणछोड़ राय मंदिर मोटागांव (बांसवाड़ा) में भी कार्यक्रम आयोजित हुए। फरीदाबाद के सेक्टर 8 में स्थित महाराणा प्रताप भवन में भी श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई। उदयपुर के भूपाल नोबल्स संस्थान परिसर के कुंभा सभा भवन में भी कार्यक्रम आयोजित हुआ जिसमें संभाग प्रमुख भंवर सिंह बेमला, महेंद्र सिंह आगरिया, मोहब्बत सिंह रूपाखेड़ी, गजपाल सिंह राठौड़, लक्ष्मी कंवर झाडोल आदि उपस्थित रहे। सीकर के रामलीला मैदान में स्थित महालक्ष्मी विवाह स्थल, सालासर और झुंझुनू जिले के सुल्ताना गांव में भी कार्यक्रम रखे गए। बाड़मेर के सेड़वा में स्थित श्री जय भवानी राजपूत सेवा संस्थान में भी कार्यक्रम आयोजित हुआ। बेड़वास स्थित आशापुरा माताजी मंदिर प्रांगण में भी कार्यक्रम हुआ। बूंदी जिला क्षत्रिय शिक्षा प्रचारिणी समिति द्वारा बूंदी में श्रद्धांजलि कार्यक्रम रखा गया। चुरू जिले के आसलसर में भी ग्रामीणों ने श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया।

महरौली

नानू सिंह रुखासर को पितृशोक

श्री मेघ सिंह जी

श्री क्षत्रिय युवक संघ के स्वयंसेवक नानू सिंह रुखासर के पिता **श्री मेघ सिंह जी** पुत्र स्व. सुजान सिंह जी का देहावसान 3 जून 2025 को हो गया। पथप्रेरक परिवार परमपिता परमेश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करता है और शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करता है।

ईश्वर सिंह रामसर को मातृशोक

श्रीमती रेख कंवर

श्री क्षत्रिय युवक संघ के स्वयंसेवक ईश्वर सिंह रामसर के माताजी **श्रीमती रेख कंवर** धर्मपत्नी स्व. श्री गंगा सिंह जी का देहावसान 29 मई 2025 को हो गया। पथप्रेरक परिवार परमपिता परमेश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करता है और शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करता है।

भूपेन्द्र सिंह कालेवा को पितृशोक

श्री जबर सिंह जी

श्री क्षत्रिय युवक संघ के स्वयंसेवक भूपेन्द्र सिंह कालेवा के पिता **श्री जबर सिंह जी** का देहावसान 25 मई 2025 को हो गया। पथप्रेरक परिवार दिवंगत आत्मा की शांति के लिए परमपिता परमेश्वर से प्रार्थना करता है और शोकाकुल परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करता है।

सोहन सिंह छापड़ा का देहावसान

सोहन सिंह छापड़ा

श्री क्षत्रिय युवक संघ के स्वयंसेवक **सोहन सिंह छापड़ा** (नागौर) का देहावसान 10 जून 2025 को 23 वर्ष की आयु में हो गया। उन्होंने अपने जीवन काल में श्री क्षत्रिय युवक संघ के कुल 13 शिविर किए जिनमें दो उच्च प्रशिक्षण शिविर, चार माध्यमिक प्रशिक्षण शिविर एवं सात प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर शामिल हैं। अक्टूबर 2010 में गुगरियाली (नागौर) में आयोजित प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर उनका प्रथम शिविर था। पथप्रेरक परिवार दिवंगत आत्मा की शांति के लिए परमपिता परमेश्वर से प्रार्थना करता है एवं शोकाकुल परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करता है।

मुख्यमंत्री, केंद्रीय मंत्री सहित अनेकों गणमान्यों ने किए अंतिम दर्शन

श्री भजनलाल शर्मा

श्री दीया कुमारी

श्री प्रेमचंद बैरवा

श्री वसुंधरा राजे

श्री अशोक गहलोत

श्री मदन राठौड़

श्री सतीष पूनिया

6 जून को पूज्य भगवान सिंह जी रोलसाहबसर की पार्थिव देह के अंतिम दर्शन के लिए अनेकों गणमान्य व्यक्ति पहुंचे और उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल जी शर्मा भी संघशक्ति पहुंचे और संरक्षक श्री को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि उन्होंने अपना जीवन युवा पीढ़ी में सुसंस्कार और अनुशासन का बीजारोपण करने में लगाया जो सभी के लिए प्रेरणादायी है। केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत भी अंतिम दर्शन के लिए पहुंचे एवं अंतिम यात्रा व दाह संस्कार में शामिल रहे। उन्होंने भगवान सिंह जी को पितृतुल्य बताते हुए कहा कि उनसे जन सेवा के कार्यों में सदैव मार्गदर्शन प्राप्त होता था। उनका सान्निध्य सौभाग्य प्रदान करने वाला होता था। राजस्थान की उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी व प्रेमचंद बैरवा ने भी अंतिम दर्शन कर संरक्षक श्री को पुष्पांजलि अर्पित की। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत एवं वसुंधरा राजे ने भी संघशक्ति पहुंचकर श्रद्धांजलि दी। स्वामी अड़गड़ानंद जी के शिष्य गोविंदगढ़ आश्रम के रामू बाबा ने भी संघशक्ति पहुंचकर पुष्पांजलि अर्पित की और स्वामी जी की ओर से भेजी गई शॉल संरक्षक श्री की पार्थिव देह को ओढ़ाई। राजस्थान के कैबिनेट मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़, पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़, पूर्व मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास, पूर्व मंत्री भंवर सिंह भाटी, राजस्थान भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़, पूर्व भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनिया, अशोक परनामी व अरुण चतुर्वेदी, शेरगढ़ विधायक बाबू सिंह राठौड़, सिविल लाइन विधायक गोपाल शर्मा, शिव विधायक रविंद्र सिंह भाटी, जैसलमेर विधायक छोटू सिंह भाटी, नवलगढ़ विधायक विक्रम सिंह जाखल, पूर्व सांसद रामचरण बोहरा, भाजपा प्रदेश महामंत्री श्रवण सिंह बगड़ी, चित्तौड़गढ़ विधायक चंद्रभान सिंह आक्या, पूर्व मंत्री नरपत सिंह राजवी, पूर्व मंत्री हेमाराम चौधरी, आरटीडीसी के पूर्व चेयरमैन धर्मेंद्र राठौड़, पूर्व विधायक संयम लोढ़ा, फतेहपुर विधायक हाकम अली, डीडवाना विधायक प्रत्याशी जितेंद्र सिंह जोधा, पूर्व विधायक मानसिंह किनसरिया, आदर्श नगर विधायक प्रत्याशी रवि नैयर, श्री राजपूत सभा के अध्यक्ष राम सिंह चंदलाई, श्री भवानी निकेतन शिक्षा समिति जयपुर के अध्यक्ष नगेंद्र सिंह बगड़ सहित अनेकों गणमान्य व्यक्ति माननीय भगवान सिंह जी के अंतिम दर्शन हेतु संघशक्ति पहुंचे और अंतिम संस्कार में शामिल हुए।

श्री अशोक परनामी

श्री धर्मेन्द्र राठौड़

श्री रविन्द्र भाटी

श्री हेमाराम चौधरी

श्री संघशक्ति प्रकाशन प्रन्यास (स्वत्वाधिकारी) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक राजेन्द्र सिंह राठौड़ द्वारा भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, डी बी कॉर्प लिमिटेड, प्लोट नंबर-01, मंगलम कनक वाटिका के पीछे, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, रेल्वे क्रोसिंग के पास, बिलवा, शिवदासपुरा, टोंक रोड़, जयपुर (राजस्थान)-303903 (दूरभाष- 6658888) से मुद्रित एवं ए-8, तारानगर, झोटवाड़ा, जयपुर- 302012 (दूरभाष- 2466353) से प्रकाशित। संपादक- राजेंद्र सिंह राठौड़।
Email- pathprerak1997@gmail.com Website- www.shrikys.org